कप्तान रियू क्रीज के शतक से 277 पर पहुंचा इंग्लैंड

60 रन पर 3 विकेट गिरने के बाद कप्तान ने संभाली पारी

107 गेंद में 110 रन, 14 चौके एक छक्का

रियू इंग्लैंड का उभरता भविष्य सितारा

बुलावायो 03 फरवरी ,अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 के पहले सेमीफाइनल में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच हाई-वोल्टेज मुकाबले में एक नाम सबसे ज्यादा चमका—थॉमस रियू. जब इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, तब किसी ने नहीं सोचा था कि शुरुआती झटकों के बाद यह पारी इतनी मजबूती से खड़ी हो पाएगी.

60 रन के स्कोर पर तीन बड़े विकेट गिर चुके थे, ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज लय में थे और इंग्लैंड दबाव में दिख रहा था. ऐसे वक्त पर कप्तान रियू क्रीज पर डटे रहे और जिम्मेदारी को मौके में बदल दिया. रियू ने सिर्फ शतक नहीं लगाया, बल्कि पारी को दिशा दी, लय दी और आत्मविश्वास दिया. उन्होंने 107 गेंदों पर 110 रन की संयम और आक्रामकता से भरी पारी खेली, जिसमें 14 चौके और एक छक्का शामिल रहा. यह पारी आंकड़ों से कहीं ज्यादा अहम इसलिए रही क्योंकि उनके बाद दूसरा सर्वोच्च स्कोर महज 40 रन का था. यानी इंग्लैंड की पारी का असली आधार वही बने. ऑस्ट्रेलिया ने नई गेंद से शानदार शुरुआत की थी. सीम और उछाल का फायदा उठाते हुए इंग्लैंड के टॉप ऑर्डर को जल्दी समेट दिया.

स्कोरबोर्ड पर 60/3 देखते ही ऑस्ट्रेलियाई खेमे में उत्साह था. लेकिन रियू ने शुरुआत में जोखिम नहीं लिया. उन्होंने गेंद को देर से खेला, गैप खोजे और स्ट्राइक रोटेट करते हुए दबाव कम किया. जैसे-जैसे पारी आगे बढ़ी, रियू का आत्मविश्वास बढ़ता गया और फिर उन्होंने अपने शॉट्स खोलने शुरू किए.

> रियू की खासियत यही रही कि उन्होंने हर गेंदबाज के खिलाफ अलग योजना अपनाई. स्पिनर्स के सामने आगे बढ़कर खेले, तो पेसर्स के खिलाफ बैकफुट पर समय लिया. 43वें ओवर की दूसरी गेंद पर एक रन लेते हुए वह रनआउट हो गए, जब टीम का स्कोर 236 था. उस समय तक वे इंग्लैंड को मजबूत प्लेटफॉर्म दे चुके थे. ड्रेसिंग रूम से खड़े होकर तालियां बजती रहीं, क्योंकि सब जानते थे कि यह पारी मैच का रुख बदल चुकी है. अंततः इंग्लैंड ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 277 रन बनाए—एक ऐसा स्कोर जो शुरुआती हालात देखकर असंभव लग रहा था.

अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026

भारत छठे खिताब से सिर्फ दो कदम दूर

अफगानिस्तान चुनौती पर भारत की नजर फाइनल टिकट

हरारे 03 फरवरी, आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 में आयुष म्हात्रे की अगुआई वाली भारतीय टीम रिकॉर्ड छठा खिताब जीतने की दिशा में मजबूती से कदम बढ़ा चुकी है.

हरारे स्पोर्ट्स क्लब में बुधवार को होने वाला सेमीफाइनल मुकाबला भारत और अफगानिस्तान के बीच खेला जाएगा. यह मैच सिर्फ फाइनल का रास्ता नहीं, बल्कि भारतीय जूनियर क्रिकेट की निरंतरता और दबदबे की परीक्षा भी है. भारत इस टूर्नामेंट में अब तक अजेय रहा है और पांचों मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंचा है. इतिहास भारत के पक्ष में खड़ा नजर आता है. अंडर-19 विश्व कप में भारत सबसे सफल टीम है, जिसने 2000, 2008, 2012, 2018 और 2022 में खिताब जीता. अब टीम छठी ट्रॉफी से सिर्फ दो कदम दूर है. हालांकि, सेमीफाइनल जैसे नॉकआउट मुकाबले में आंकड़े और इतिहास नहीं, बल्कि उस दिन का प्रदर्शन मायने रखता है.

> टीम प्रबंधन अफगानिस्तान को हल्के में लेने की भूल नहीं करना चाहता. अफगानिस्तान ने भी इस टूर्नामेंट में दमदार खेल दिखाया है. उसने पांच में से चार मैच जीते हैं और सिर्फ श्रीलंका से हार झेली है. उनकी टीम संतुलित है, जिसमें आक्रामक बल्लेबाजी और अनुशासित गेंदबाजी का मेल दिखता है. कप्तान महबूब खान के नेतृत्व में अफगान खिलाड़ी मैदान पर ऊर्जा और जुझारूपन के साथ उतरते हैं, जो उन्हें खतरनाक प्रतिद्वंद्वी बनाता है. भारतीय बल्लेबाजी इस समय टीम की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी है. विकेटकीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू ने पांच मैचों में 199 रन बनाकर भरोसेमंद भूमिका निभाई है.

स्वर्ण व कांस्य पदक जीतकर आरात्रिक ने किया नाम रोशन

नई दिल्ली. विवेकानंद स्कूल के कक्षा 7 के छात्र आरात्रिक सिंह ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण और कांस्य पदक जीतकर विद्यालय और टीम दिल्ली का नाम रोशन किया है.

कॉमनवेल्थ ग्राउंड, दिल्ली में आयोजित प्रतियोगिता में आरात्रिक सिंह ने 100 मीटर स्प्रिंट रेस में स्वर्ण पदक तथा 100 मीटर रिले रेस में कांस्य पदक जीतकर अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया. महज 13 वर्ष की आयु में आरात्रिक सिंह ने यह उपलब्धि हासिल कर अपनी मेहनत, अनुशासन और लगन का परिचय दिया. उनकी इस सफलता से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है. विद्यालय प्रशासन ने आरात्रिक सिंह को इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी सफलता ने विवेकानंद स्कूल को गौरवान्वित किया है.

भांबरी एटीपी युगल टॉप 20 में शामिल

चंडीगढ़, 03 फरवरी राउंडग्लास टेनिस एकेडमी के एथलीट युकी भाम्बरी ताजा एटीपी रैंकिंग में करियर की बेस्ट रैंकिंग वर्ल्ड नंबर 20 पर पहुंच गए हैं, जिससे वह रोहन बोपन्ना के बाद टॉप 20 में जगह बनाने वाले पहले भारतीय पुरुष डबल्स खिलाड़ी बन गए हैं, और भारत के टॉप रैंक वाले डबल्स खिलाड़ी के तौर पर अपनी जगह पक्की कर ली है.

अपनी पिछली रैंक 22 से बड़ी छलांग लगाते हुए, युकी ने अपने करियर में पहली बार आधिकारिक तौर पर एटीपी डबल्स स्टैंडिंग के एलीट टॉप 20 में जगह बनाई है. यह रैंकिंग में उछाल 33 साल के खिलाड़ी के शानदार प्रदर्शन की वजह से आया है, जिन्होंने कई एटीपी टूर फाइनल में हिस्सा लिया है और ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है. स्वीडन के आंद्रे गोरान्सन के साथ जोड़ी बनाकर, युकी ने साल के पहले ग्रैंड स्लैम, मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियन ओपन में शानदार प्रदर्शन किया, तीसरे राउंड में पहुंचकर रैंकिंग पॉइंट्स हासिल किए जो उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाने के लिए ज़रूरी थे. पहले मैच में लोकल वाइल्डकार्ड जेम्स डकवर्थ और क्रूज हेविट को हराने के बाद, युकी और गोरान्सन ने दूसरे राउंड में सैंटियागो गोंजालेज और डेविड पेल के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए 4-6, 7-6(5), 6-3 से जीत हासिल की.

एक नजर में

कमिंस की आईपीएल में वापसी करने की उम्मीद

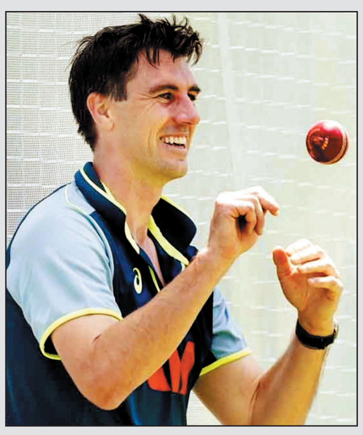

सिडनी. ऑस्ट्रेलिया के पेस लीडर पैट कमिंस ने बताया है कि वह नेशनल टीम के आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप कैंपेन का हिस्सा बनने के कितने करीब थे, क्योंकि यह तेज गेंदबाज पीठ की चोट से उबर रहा है और साल के आखिर में होने वाले मुश्किल टेस्ट शेड्यूल पर नजर रखे हुए है। उन्होंने उम्मीद जताई कि वह इंडियन प्रीमियर लीग के लिए समय पर मैदान पर लौट आएंगे, जो मार्च के आखिर में शुरू होगी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की वेबसाइट के मुताबिक, पीठ की पुरानी शिकायत समय पर ठीक नहीं होने के कारण कमिंस को 7 फरवरी से शुरू होने वाले ञ20 वर्ल्ड कप के लिए ऑस्ट्रेलिया की आखिरी 15 मेंबर वाली टीम से बाहर कर दिया गया। ऑस्ट्रेलियन एसोसिएटेड प्रेस से बात करते हुए, 31 साल के इस खिलाड़ी ने कहा कि रिहैबिलिटेशन के दौरान एक छोटी सी दिक्कत ने आखिरकार उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

राइफल चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा भारत

नयी दिल्ली. देश में ओलंपिक खेल शूटिंग की शासी संस्था, नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने आज घोषणा की कि नई दिल्ली ने एशियन राइफल/ पिस्टल चैंपियनशिप 2027 की मेजबानी का अधिकार हासिल कर लिया है. इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय प्रतियोगिता में लॉस एंजेलिस 2028 (एलए 28) ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों के लिए आठ कोटा स्थान दांव पर होंगे. इसकी पुष्टि एशियन शूटिंग कॉन्फेडरेशन (एएससी) के महासचिव, इंजीनियर दुआइज अलओतैबी द्वारा सोमवार को एनआरएआई अध्यक्ष कालिकेश नारायण सिंह देव को भेजे गए पत्र के माध्यम से की गई. यह लगातार दूसरा अवसर होगा जब भारत राइफल और पिस्टल स्पर्धाओं की इस शीर्ष महाद्वीपीय चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा. यह उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय शूटिंग खेल महासंघ (आईएसएसएफ), जो इस खेल की वैश्विक शीर्ष संस्था है, ने पहले ही अप्रैल 2027 में नई दिल्ली में आईएसएसएफ वर्ल्ड कप राइफल/ पिस्टल/ शॉटगन के आयोजन का अधिकार भारत को दिया है.

एटीपी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंचे जोकोविच

मेलबर्न. ऑस्ट्रेलियन ओपन के फ़ाइनल तक पहुंचे नोवाक जोकोविच एटीपी रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर नंबर 3 पर पहुंच गए हैं. जोकोविच को फ़ाइनल में कार्लोस अलकाराज से हार का सामना करना पड़ा. अल्काराज ने मेलबर्न में इतिहास रचा, जहाँ उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया. जबकि 22 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी ने ट्रॉफी उठाई, अन्य सितारों ने भी एटीपी रैंकिंग में ऊपर चढ़ने के लिए अच्छा प्रदर्शन किया.

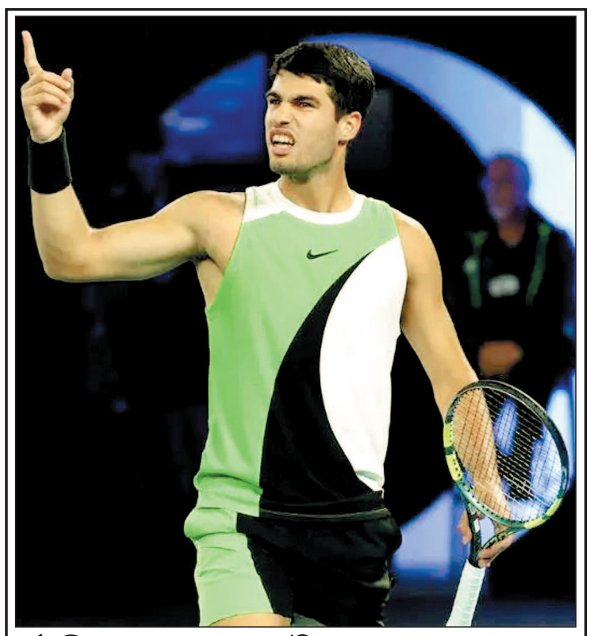

चैम्पियन कार्लोस अल्काराज ने रॉटरडैम से नाम लिया वापस

▸ ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने के बाद घोषणा की

रॉटरडैम, 03 फरवरी. नए ऑस्ट्रेलियन ओपन चैम्पियन कार्लोस अल्काराज ने रॉटरडैम में होने वाले एबीएन एमरो ओपन से नाम वापस ले लिया है, टूर्नामेंट ने यह घोषणा की है.

पिछले सीजन में एटीपी 500 इनडोर हार्ड-कोर्ट टाइटल जीतने वाले स्पेन के अल्काराज, एटीपी वेबसाइट के अनुसार, 9 से 16 फरवरी तक होने वाले इस इवेंट में अपना खिताब बचाने के लिए वापस नहीं आएंगे. अल्काराज की गैरमौजूदगी के बावजूद, रॉटरडैम के मैदान में दुनिया के नंबर 2 अलेक्जेंडर ज्वेरेव , फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे और एलेक्स डी मिनौर सहित कई टॉप खिलाड़ी खेलेंगे. अल्काराज ने करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बनकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के एक दिन बाद अपना नाम वापस लिया है.

22 साल के अल्काराज ने रविवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन के फ़ाइनल में नोवाक जोकोविच को चार सेट में हराकर मेलबर्न में अपना पहला टाइटल जीता था. सोमवार को, अल्काराज ने मेलबर्न में रॉयल एग्ज़िबिशन बिल्डिंग में एक सेलिब्रेशन फ़ोटोशूट में भी हिस्सा लिया. अभी एटीपी रैंकिंग में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी, अल्काराज ने अपने करियर में 15 बड़े टाइटल जीते हैं.

लगातार चौथी जीत के साथ पहले स्थान पर रोहतक

सोनीपत, 03 फरवरी एड्रॉइट स्पोर्ट्स एलएलपी के स्वामित्व वाली और रोहतक शहर का प्रतिनिधित्व करने वाली कबड्डी फ्रेंचाइज़ी रोहतक रॉयल्स ने उद्घाटन कबड्डी चैंपियंस लीग (केसीएल) में भिवानी बुल्स को 43-35 से हराकर एक और शानदार जीत दर्ज की.

यह इस सत्र में रॉयल्स की लगातार चौथी जीत रही, जिससे उन्होंने अंक तालिका में शीर्ष स्थान और भी मजबूती से बरकरार रखा. रेडर और डिफेंडर, दोनों ने मिलकर एक संतुलित और प्रभावशाली प्रदर्शन किया. सात अंकों के साथ टीम के टॉप स्कोरर रहे हिमांशु को 'बेस्ट डिफेंडर ऑफ द गेम' चुना गया. उन्हें अंकित राणा (7 अंक), राकेश सिंगरोहा (6 अंक) और विजय मलिक (5 अंक) का शानदार सहयोग मिला.

श्रीलंका विश्व कप दल में मेंडिस की वापसी

कोलंबो, 03 फरवरी. श्रीलंका ने टी20 विश्व कप के लिए अपने 15 सदस्यीय दल में कामिंडु मेंडिस को वापस बुलाया है और वह धनंजय डीसिल्वा की जगह लेंगे.

23 वर्षीय बल्लेबाज पवन रत्नायके को टीम में जगह मिली है, लेकिन तेज गेंदबाज़ प्रमोद मदुशन के लिए कोई जगह नहीं है. चर्चा का विषय कामिंडु की वापसी है, जो पिछले महीने पाकिस्तान के ख़िलाफ़ टी20 सीरीज में शुरुआती एकादश का हिस्सा नहीं थे और इंग्लैंड के ख़िलाफ़ चल रही टी20 सीरीज से पहले उन्हें बाहर कर दिया गया था. लेकिन अब वह वापस आ गए हैं, जबकि इंग्लैंड और पाकिस्तान के ख़िलाफ़ हालिया टी20 पारियों में रन गति बढ़ाने में नाकाम रहने के बाद धनंजय को बाहर का रास्ता दिखाया गया है. ख़ुद कामिंडु भी हाल के महीनों में बेहतरीन फ़ॉर्म में नहीं रहे हैं. 2025 की शुरुआत से उन्होंने इस फ़ॉर्मेट में सिर्फ़ 159 रन बनाए हैं, जहां उनका औसत 19.87 का रहा है.

इंडियन रेसिंग फेस्टिवल रेसिंग का आईपीएल है

पणजी. जैसे ही गोवा की सड़कें 14 और 15 फरवरी को इंडियन रेसिंग फेस्टिवल के लिए एक हाई-ऑक्टेन मोटरस्पोर्ट्स एरिना में बदलने के लिए तैयार हो रही हैं, कोलकाता रॉयल टाइगर्स के मालिक सौरव गांगुली का मानना है कि स्ट्रीट रेसिंग एक टीम के असली चरित्र को सामने लाती है, जो सिर्फ मशीनरी या लैप टाइम से कहीं ज़्यादा है. मनोहर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास एक अस्थायी स्ट्रीट सर्किट पर होने वाला गोवा राउंड आईआरएफ कैलेंडर के सबसे चुनौतीपूर्ण इवेंट्स में से एक है.

टी20 विश्व कप ▸ आठ में सात पैमानों पर टीम इंडिया आगे

आंकड़ों में भारत, टी20 का बादशाह

नई दिल्ली, 03 फरवरी. टी20 विश्व कप 2026 की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है और फैंस के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है कागजों पर सबसे मजबूत टीम कौन है?

मौजूदा फॉर्म, इतिहास, जीत प्रतिशत, बड़े स्कोर, सफल लक्ष्य-पीछा और व्यक्तिगत रिकॉर्ड जैसे आठ अलग-अलग पैमानों पर अगर टीमों की तुलना की जाए, तो तस्वीर बेहद साफ नजर आती है. इन आठ में से सात मानकों पर टीम इंडिया शीर्ष पर खड़ी दिखाई देती है. यही वजह है कि भारत को इस टूर्नामेंट का सबसे बड़ा दावेदार माना जा रहा है. भारत 2024 का डिफेंडिंग चैंपियन है और इस बार खिताब बचाने के इरादे से उतरेगा. लेकिन यह दावा सिर्फ हालिया खिताब की वजह से नहीं, बल्कि वर्षों से बने उस आंकड़ा-आधारित दबदबे की वजह से है, जो टी20 फॉर्मेट में भारत ने कायम किया है. सबसे पहले बात खिताबों की. टी20 विश्व कप के इतिहास में तीन टीमों—भारत, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज—ने दो-दो बार ट्रॉफी जीती है. लेकिन भारत की खास बात यह है कि वह मौजूदा चैंपियन भी है.

> वेस्टइंडीज ने भले ही कभी फाइनल नहीं हारा, पर निरंतरता के मामले में भारत का रिकॉर्ड ज्यादा मजबूत दिखता है. इंग्लैंड और भारत दोनों को एक-एक फाइनल हार का सामना करना पड़ा है, जबकि पाकिस्तान और श्रीलंका दो-दो फाइनल हार चुके हैं. दूसरा बड़ा पैमाना है 200 या उससे ज्यादा रन का स्कोर.

2029 एशियन विंटर गेम्स अल्माटी में हुए शिफ्ट

कुवैत. ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया ने सोमवार को घोषणा की कि 2029 के एशियन विंटर गेम्स कजाकिस्तान के अल्माटी में होंगे. यह इवेंट मूल रूप से सऊदी अरब में होने वाला था.

ओसीए और कजाकिस्तान गुरुवार को इटली के मिलान में होस्ट सिटी कॉन्ट्रैक्ट पर साइन करके समझौते को औपचारिक रूप देंगे. सऊदी अरब को 2022 में मेजबानी के अधिकार दिए गए थे.